Raj Express (Indore), 12th February 2026, Page – 04

▶ बीआईएस-सतत विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग पर कार्यशाला आयोजित

शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और बीआईएस के बीच जरूरी है मजबूत सहयोग: प्रो. जोशी

अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता का समर्थन

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में बुधवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) - सतत् विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग पर कार्यशाला आयोजित की गई। शिक्षाविद, शोधकर्ता, छात्र, उद्योग के पेशेवर, स्टार्टअप प्रतिनिधि और बीआईएस के अधिकारियों सहित 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के अंदर भारतीय मानकों के बारे में जागरूकता, पहुंच और प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित पहल के साथ हुई। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने नवाचार और सतत् विकास में मानकीकरण के रणनीतिक महत्व पर बात की। उन्होंने कहा, मानकीकरण गुणवत्ता, नवाचार और स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक है। शोध परिणामों को स्केलेबल, मार्केट रेडी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक समाधानों में बदलने के लिए शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और बीआईएस के बीच मजबूत सहयोग जरूरी है। बीआईएस के साथ इस प्रकार के स्मॉल एसोसिएशन से उन्हें पता चला कि देश का राष्ट्रीय ध्वज नंबर 1 बीआईएस स्टैंडर्ड है।

मानकों के अनुरुप अनुसंधान

आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल ने कहा बीआईएस कॉर्नर छात्रों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स के लिए ज्ञान व संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा, जो मानकों के अनुरूप अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता का समर्थन करता है। बीआईएस के अधिकारियों ने भारत के गुणवत्ता अवसंरचना को मजबूत करने में शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया और मानक विकास, क्षमता निर्माण और नीति समर्थन के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ दीर्घकालिक सहयोग के लिए बीआईएस की प्रतिबद्धता को दोहराया।

800 से अधिक प्रतिभागी शामिल 12 कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में बीआईएस-आईआईटी इंदौर समझौता ज्ञापन (जुलाई 2023-दिसंबर 2025) के तहत प्रमुख उपलब्धियों पर बात की, जिसमें शिक्षा, उद्योग, सरकार और नियामक निकायों के 800 से अधिक प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 12 कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में जल संसाधन प्रबंधन, जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे, आपदा प्रबंधन, जल-मौसम संबंधी डेटा, कृषि स्थिरता, पर्यावरण निगरानी और औद्योगिक गुणवत्ता मानकों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित किया गया।

सात बीआईएस स्टूडेंट चैप्टर की स्थापना

इस सहयोग की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिविल, मैकेनिकल, केमिकल इंजीनियरिंग और गणित जैसे विषयों में सात बीआईएस स्टूडेंट चैप्टर की स्थापना है। इसके अलावा, आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों की ओर से बीआईएस रूपरेखा के तहत 33 शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिसमें छह परियोजनाएं जल ऑडिटिंग, प्रदूषण माप, स्वच्छता प्रणालियों, पदार्थ परीक्षण और पर्यावरण निगरानी पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। कार्यशाला में स्थिरता, एमएसएमई, इंटेलिजेंट मोबिलिटी, ऊर्जा प्रणालियों और रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर विषयगत सत्रों में उद्योग और स्टार्टअप की सक्रिय भागीदारी रही। समापन राष्ट्रीय विकास, जलवायु अनुकूलता और संसाधन संरक्षण के लिए सतत बीआईएस-शैक्षणिक-स्टार्टअप सहयोग के महत्व को सुदृढ़ करने वाली संवादात्मक चर्चाओं के साथ हुआ।